फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है

मांगी जो मुराद सदा दर से तेरे पाई है,
फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है,
जब भी पुकारो तू बनता सहाई है,
फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है,

दिया जो वचन है निभाना होगा बाबा,
फिर इक बार तुझे आना होगा बाबा,
सच्चा साथी तुहि सारी दुनिया पराई है,
फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है,

सब ने ठुकराया बाबा तू भी ठुकराना न,
सिवा तेरे दर के मेरा और ठिकाना न,
तेरे चरणों में मेरी दुनिया समाई है,
फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है,

टूटू के बिखर न जाओ और आजमाना न,
भूलो को मेरी साई दिल से लगाना न,
बतरा ने तुमसे ही आस लगाई है,
फिर इक वार मैंने झोली फैलाई है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13733/title/phir-ik-baar-maine-jholi-felaai-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |